फर्जीवाड़ा | ग्राम पंचायत भटिगवां खुर्द में भ्रष्टाचार का बोलबाला

सचिव, सरपंच ने बिना पुल निर्माण के निकाल ली राशि

शहडोल, नवभारत। भ्रष्टाचार एक ऐसा शब्द है जो किसी दीमक से कम नहीं है। अगर कोई कर्मचारी भ्रष्ट हो जाए या किसी विभाग का अधिकारी भ्रष्ट हो तो यह मान लीजिए की उस विभाग का विनाश तय है।

यह ऐसा दीमक है जो किसी भी विभाग को धीरे-धीरे खोखला कर सकता है ।यह एक कटु सच्चाई है कि भ्रष्टाचार किसी भी विभाग की तमाम समस्याओं की जड़ होती है। जयसिहनगर की पंचायतों में भ्रष्टाचार की दीमक लग चुकी है।

यहां का है पूरा मामला

जयसिंहनगर जनपद पंचायत अन्तर्गत ग्राम पंचायत भटिगवा खुर्द मे सरपंच सचिव के द्वारा आपस में मिलकर बिना पुल निर्माण के पैसा निकाल लिए जाने का मामला सामने आया है बिल में सीमेंट सरिया रेता गिट्टी का बिल लगाया गया है जब मीडिया की टीम मौके पर पहुंची तो पता चला कि करीब एक ट्राली रेता है एवं दो ट्रॉली गिट्टी निर्माण जगह पर उपलब्ध है और पुल अभी तक निर्माण नहीं कराया गया है वही लगातार सरपंच सचिव जनपद के बैठे अधिकारियों की मिली भगत से यह राशि बिना निर्माण कार्य के आहरण कर लिया गया है । पुल निर्माण की जगह पूरन सिंह के घर के पास पुल का निर्माण किया जाना था लेकिन अभी वास्तविक में देखा जाए तो पुल का नेह जेसीबी के माध्यम से खुदाई की गई है जो की ने की गड्ढा लेबरों से खानया जाना था लेकिन यहां पर भी सरपंच सचिव के द्वारा अपनी मनमानी में उतारू है ।

बिना निर्माण कार्य कराए निकल गई राशि

जानकारी में बताया गया है कि महाकाल ट्रेडर्स के नाम से निर्माण के लिए बिल का उपयोग किया गया है महाकाल ट्रेडर्स के नाम पर जिसमें यह लिखा गया है कि 217 बोरी सीमेंट का दर 350 जिसका पैसा 75950 वही लोहा के नाम का राशि 99970 वही गिट्टी के नाम पर 99000 निकल गई लेकिन वास्तविक में कोई भी निर्माण कार्य नहीं कराया गया है जो की यह फर्जी राशि निकासी की गई है।

कार्यवाही नहीं होने से हौसले बुलंद

ग्रामीण व उप सरपंच के द्वारा लगातार कलेक्टर कमिश्नर एसडीएम सीईओ तक शिकायत की गई है लेकिन कार्यवाही अभी तक शून्य है कार्यवाही नहीं होने से सरपंच सचिव का हौसला और बुलंद है वहीं ग्रामीणों के द्वारा बताया गया कि हमारे द्वारा शिकायत की जाती है तो सरपंच सचिव के द्वारा लगातार धमकी दी जाती है भ्रष्टाचार करने में कोई कसर नहीं छोड़ा जा रहा है। अब यह देखना होगा की खबर प्रकाशित होने के बाद क्या कुछ कार्रवाई होती है लगातार सरपंच सचिव शासन का पैसा का हरण करते रहेंगे। जब इस संबंध में सचिव संपर्क करने की कोशिश की गई लेकिन उनका फोन नहीं लगा।

पहली पारी के आधार पर शहडोल बना विजेता

▶ शहडोल-अनूपपुर के बीच खेला गया पहला मैच

शहडोल। मध्यप्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन एवं संभागीय क्रिकेट एसोसिएशन शहडोल के तत्वाधान में आयोजित अंतर जिला क्रिकेट प्रतियोगिता बालक 22 वर्ष का तीन दिवसीय मैच नवनिर्मित एमपीसीए ग्राउंड में 25 तारीख से प्रारंभ किया गया ।पहला मुकाबला शहडोल और अनूपपुर के मध्य खेला गया जिसमें टॉस जीतकर शहडोल की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में सभी विकेट खोकर 189 रन बनाएं जिसमें जितेंद्र मोहन श्रीवास्तव ने 84 रनों की नाबार्ड पारी खेली वहीं गेंदबाजी करते हुए अनूपपुर के गेंदबाज उमंग केसरवानी ने शहडोल के 6 विकेट लिए अनूपपुर की पहली पारी 166 रनो पर बिखर गई एवं शहडोल को पहली पारी के आधार पर 23 रनों की बढ़त मिली गेंदबाजी करते हुए शहडोल की ओर से ओम नारायण कुमार ने अनूपपुर के साथ बल्लेबाजों को आउट किया वहीं दूसरी पारी खेलने उतरी शहडोल की थी दूसरे दिन के खेल के समाप्ति तक 125 रनों पर 5 विकेट गंवा चुकी थी कुल बढ़त 148 रनों का तीसरे दिन का खेल बारिश के कारण नहीं हो पाया एवं शहडोल को पहली पारी के आधार पर विजेता घोषित किया। इस अवसर पर संभागीय क्रिकेट संघ के अध्यक्ष सुनील खरे, सचिव अजय द्विवेदी, उपाध्यक्ष धीरेश दीक्षित, मध्यप्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन से आए क्रिकेट डेवलपमेंट कमेटी के सदस्य शांतनु त्रिपाठी, अंपायर सचिन पराशर एवं ब्योमकेश त्रिपाठी स्कोर अभय मिश्रा, सोनू रॉबिंसन एवं दोनों ही टीमों के कोच मौजूद रहे अगला मुकाबला शहडोल और उमरिया के मध्य खेला जाएगा।

ग्राम पंचायत झाल का भवन हुआ जर्जर

▶ ग्रामीणों ने सांसद से नया पंचायत भवन बनाने की मांग की

चिल्हारी नवभारत 27 अक्टूबर। स्थानीय नागरिकों ने सांसद हिमाद्री सिंह से जनपद पंचायत मानपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत झाल पंचायत का भवन जीर्ण-शीर्ण हो जाने पर नया पंचायल भवन बनाने की मांग की है।

ग्रामीणों ने कहा कि यह भवन इतना जर्जर हो गया है कि कभी भी दुर्घटनाग्रस्त हो सकता है। ग्राम के बुजुर्ग जानकारों ने बताया कि उक्त पंचायत भवन विगत 35 से 40 वर्ष पूर्व निर्माण कराया गया था। गांव के वरिष्ठ नागरिकों ने जिले की सांसद से मांग की है कि ग्राम पंचायत झाल को भूमि आवंटित कर नया पंचायत भवन निर्माण कराया जाए। उक्त ग्राम पंचायत के संबंध में बताया गया है कि नाले की वजह से ग्राम पंचायत झाल दो भागों में बंटा हुआ है। नाले पर पुल का निर्माण नहीं होने के कारण बरसात के समय आवाजाही में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। उक्त नाले पर पुलिया निर्माण किया जाए तो आवाजाही में सहूलियत होगी।

पुल नहीं बनने से छात्रों को हो रही परेशानी

पुल नहीं होने के कारण स्कूली बच्चों को अनावश्यक रूप से 10 किलोमीटर घूम कर विद्यालय आना पड़ता है। पुल का निर्माण हो जाता है तो मात्र 1 किलोमीटर ही विद्यालय की दूरी होगी, क्योंकि प्राथमिक पाठशाला नाले के उस पार निर्मित है, जबकि मिडिल स्कूल नाले के इस पार संचालित है। इसी प्रकार शासकीय उचित मूल्य खाद्यान्न की दुकान नाले के उस तरफ होने से हितग्राहियों को आने-जाने में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

ग्राम खोहरा में राशन घोटाला, महीनों से नहीं मिला गरीबों को अनाज

▶ सेल्समैन पर गंभीर आरोप

शहडोल, नवभारत। जनपद पंचायत बुढ़ार अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत खोहरा में इन दिनों लोगों के बीच भारी आक्रोश व्याप्त है। गरीब ग्रामीणों को महीनों से शासकीय राशन नहीं मिल पा रहा है। राशन वितरण में हो रही अनियमितताओं के खिलाफ सैकड़ों ग्रामीणों ने एकजुट होकर प्रदर्शन किया और सेल्समैन संतोष त्रिपाठी मुर्दाबाद के नारे लगाए।

ग्रामीणों का आरोप है कि विक्रेता संतोष त्रिपाठी द्वारा खुलेआम सरकारी नियमों की धज्जियाँ उड़ाई जा रही हैं। कुछ लोगों का फिंगर लगवाने के बाद भी राशन नहीं दिया गया, जबकि कई पात्र हितग्राहियों से फिंगर तक नहीं लगवाया गया। इतना ही नहीं, कई महीनों से शासकीय उचित मूल्य की दुकान भी नहीं खोली जा रही है, जिससे ग्रामीणों में असंतोष बढ़ता जा रहा है।

फिंगर लगवाने के बाद भी नहीं मिला राशन

ग्राम खोहरा के निवासी रामचंद्र मरकाम ने बताया कि यह दुकान आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित जैतपुर के अधीन संचालित होती है। उन्होंने कहा, सेल्समैन संतोष त्रिपाठी हमसे फिंगर लगवा लेता है, लेकिन राशन नहीं देता। कई बार पूछने पर कहता है कि राशन खत्म हो गया। जबकि दुकान खोहरा में है, पर यहां राशन उतरवाया ही नहीं जाता। जीजा और साला मिलकर सारा राशन बेच देते हैं। मरकाम ने आगे कहा कि जब यह दुकान दूसरे भवन में किराए से संचालित की जा रही है, तो सवाल उठता है कि किराए का भुगतान कहाँ से होता है? उन्होंने आरोप लगाया कि इस खेल में कई जिम्मेदार लोग भी मौन समर्थन दे रहे हैं। उन्होंने शासन-प्रशासन से मांग की है कि विक्रेता संतोष त्रिपाठी को तत्काल हटाकर मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए, ताकि ग्रामीणों को न्याय मिल सके ।ग्राम की महिला निवासी पार्वती बाई ने बताया कि पिछले दो महीने से उन्हें राशन नहीं मिला है। जब भी वह दुकान जाती हैं, तो सेल्समैन यही कहता है कि अभी राशन नहीं आया है। इसी तरह सावित्री सिंह ने बताया कि पांच महीने से राशन नहीं मिला, जबकि उनका फिंगर कई बार लगवाया जा चुका है। उन्होंने कहा, ऐसे कई कार्डधारक हैं जिनसे फिंगर लगवा लिया गया, लेकिन राशन नहीं दिया गया। कुछ लोगों का तो फिंगर जानबूझकर नहीं लगवाया जाता, फिर उनसे कहा जाता है कि 'फिंगर नहीं लगा, इसलिए राशन नहीं मिलेगा।' यह सीधा धोखाधड़ी है।

कार्रवाई नहीं हुई तो सड़क पर उतरेंगे ग्रामीण

ग्रामीणों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि प्रशासन ने 7 दिनों के भीतर कार्रवाई नहीं की, तो वे जनपद मुख्यालय और जिला कलेक्ट्रेट के बाहर धरना-प्रदर्शन करेंगे ।ग्रामीणों का कहना है कि यह मामला केवल राशन का नहीं, बल्कि गरीबों के हक पर डाका डालने का है। जनपद सदस्य ने भी इस मामले की गंभीरता को देखते हुए अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) को लिखित आवेदन सौंपा और दोषी सेल्समैन पर कार्रवाई की मांग की है। आवेदन में कहा गया है कि गरीब हितग्राहियों के साथ धोखाधड़ी का यह मामला जनहित से जुड़ा है, इसलिए तत्काल जांच आवश्यक है।

अधिकारी लापता, खाद्य विभाग पर उठे सवाल

ग्रामीणों ने बताया कि उन्होंने इस पूरे मामले की जानकारी कई बार खाद्य आपूर्ति अधिकारी और जनपद अधिकारियों को दी, लेकिन आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई ।ग्रामीणों का कहना है कि जिम्मेदार अधिकारी मौन साधे बैठे हैं, जबकि गांव में भ्रष्टाचार खुलेआम चल रहा है ।ग्रामीणों का आरोप है कि खाद्य विभाग के कुछ कर्मचारियों की मिलीभगत से ही यह गड़बड़ी संभव हो रही है ।अगर अधिकारी ईमानदारी से निरीक्षण करें तो करोड़ों रुपए का घोटाला सामने आ सकता है। अब देखना यह होगा कि क्या जिला प्रशासन इस मामले को गंभीरता से लेकर कार्रवाई करता है या फिर एक बार फिर से गरीबों की आवाज़ अफसरों की फाइलों में दबकर रह जाएगी ।गांव के लोग अब केवल जांच नहीं, न्याय और जवाबदेही की मांग कर रहे हैं।

छठ पर्व : श्रद्धा एवं आस्था के साथ डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य अर्पित

शहडोल। लोक आस्था का महान पर्व छठ महापर्व रविवार से पूरे श्रद्धा और उत्साह के साथ प्रारंभ हुआ। चार दिनों तक चलने वाले इस पर्व में श्रद्धालु सूर्य देव और छठी मइया की उपासना करेंगे। पहले दिन नहाय-खाय की परंपरा के साथ व्रतियों ने घर की शुद्धि कर पवित्र भोजन ग्रहण किया। सोमवार को खरना के अवसर पर व्रती उपवास रखकर गुड़-चावल की खीर का प्रसाद बनाएंगे और इसके बाद 36 घंटे का निर्जला व्रत आरंभ होगा।

तीसरे दिन मंगलवार को श्रद्धालु नदी, तालाब और घाटों पर जाकर अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित करेंगे। चैथे और अंतिम दिन बुधवार की सुबह उदयाचलगामी सूर्य को अर्घ्य देने के साथ व्रत का समापन होगा। शहर के विभिन्न घाटों पर सफाई और प्रकाश व्यवस्था के विशेष इंतजाम किए गए हैं। प्रशासन ने सुरक्षा के दृष्टिगत पुलिस बल की तैनाती भी की है। महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में गीत-भजन गाते हुए पूजा अर्चना की प्रारंभ की गई। कार्तिक छठ का चार दिवसीय अनुष्ठान शनिवार, 25 अक्टूबर 2025 को नहाय-खाय के साथ शुरू हो रहा है। छठ व्रतियों द्वारा खरना पूजन, कार्तिक शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को किया जाना है। इस दिन खरना का प्रसाद ग्रहण करने का विधान है। कार्तिक छठ पूजा 2025 के अनुष्ठानों में छठ घाटों पर सोमवार, 27 अक्टूबर, 2025 को अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पण किया जाएगा। मंगलवार, 28 अक्टूबर 2025को प्रात: बेला में उदीयमान आदित्य देव को प्रात:कालीन अर्घ्य अर्पित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि छठ पूजा सिर्फ़ बिहार ही नहीं अपितु पूरे देश में मनाया जाता है। शहडोल में भी यह त्यौहार बड़े धूम-धाम से मनाया जाता है। संघ के अध्यक्ष प्रवीण शर्मा एवं सचिव प्राम्पी सिंह ने बतलाया की शहडोल में छठ पर्व मुख्य आयोजन मोहन राम मंदिर के तालाब मे होना है जिसे आकर्षकढ़ंग से सजाया गया है। इस वर्ष भी बड़ी भीट और एमपीइबी के किनारे छठ पूजा धूम-धाम से मनाया जा रहा है।

इस वर्ष पूजा के दौरान पेंड्रा का नर्तक दल नरसिम्हा एवं काली नाट्य की प्रस्तुति दी गई, जिसे देखकर श्रद्धालुजनों को काफी आनंदित हुए । कार्यक्रम के दौरान मंच से छठ पूजा की महिमा महत्त्व एवं विशेषता का वर्णन माइक द्वारा बताया गया। पूजन के दौरान मंत्रोच्चारण एवं श्लोक का वाचन भी लगातार होता रहा ।बड़ी भीट्, एमपीइबी एवं मोहन राम मंदिर तालाब के घाट पर संध्या में महाआरती का आयोजन किया गया। छठ महापर्व स्वच्छता का सबसे बड़ा प्रतीक है। वर्तमान में भारत सरकार के द्वारा स्वच्छता का कार्यक्रम चलाया जा रहा है जबकि छठ महापर्व प्राचीन काल से ही स्वच्छता का संदश देती आ रही है। इस पर्व पर लोगों द्वारा शुद्ध प्रसाद बनाया जाता है जिसे सूर्य भगवान को भोग लगाया जाता है। लोगों के द्वारा समूहों में सड़क एवं घाटों की सफाई की जाती है। हमारी मान्यताओं के अनुसार छठि मैय्या विश्व की सबसे बड़ी स्वच्छता की ब्रांड एम्बेसडर है।

नाबालिग बालक-बालिकाओं की शीघ्र बनाएं सूची

▶ कलेक्टर ने दिए निर्देश, बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारी किए गए नियुक्त

नवभारत उमरिया 27 अक्टूबर। बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम के तहत राज्य शासन द्वारा जिला स्तर पर कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभय सिंह, तहसील स्तर पर समस्त अनुविभागीय अधिकारी, राजस्व तथा विकासखण्ड स्तर पर समस्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत समस्त परियोजना अधिकारी मबावि को बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारी नियुक्त किया गया है।

कलेक्टर श्री धरणेन्द्र कुमार जैन ने मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, पुलिस अधीक्षक, अनुविभागीय अधिकारी समस्त, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत समस्त, प्रशासक वन स्टाप सेंटर से कहा कि आंगनबाडी स्तर पर 18 वर्ष से कम उम्र की बालिकाओं एवं 21 वर्ष से कम उम्र के बालकों की सूची तैयार करे।

कार्यशाला का करें आयोजन

जिला एवं खंड स्तर पर बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 पर कार्यशाला का आयोजन किया जाए। बाल विवाह रोकथाम हेतु कंट्रोल रूम, जिला स्तर पर वन स्टॉप सेन्टर उमरिया में स्थापित किया जाता है। बाल विवाह से संबंधित सूचना कंन्ट्रोल रूम उमरिया 07653-292939 पर दी जा सकेगी।

तीन महीने से फरार दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

▶ बड़वारा पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर पकड़ा

नवभारत, कटनी। बड़वारा थाना अंतर्गत दुष्कर्म के मामले में तीन महीने से फरार चल रहे एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि चार अप्रैल 2025 को एक पीड़िता ने शिकायत दर्ज कराई थी कि रोहनिया निवासी मोहित यादव द्वारा शादी का झांसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। साथ ही युवक द्वारा उसे जाने से मारने की धमकी दी गई।

पुलिस ने शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर प्रकरण को जांच में लिया। मामला दर्ज होने के बाद से आरोपी अपने निवास से फरार चल रहा था, आरोपी की तलाश में लगातार प्रयास किए जा रहे थे और आरोपी के संभावित ठिकानों में दबिश दी जा रही थी। इस बीच मुखबिर की सूचना पर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी को पकड़ने में बड़वारा थाना प्रभारी एसआई केके पटेल, एसआई प्रदीप जाटव, एएसआई रघुवीर सिंह, प्रधान आरक्षक वीरेन्द्र कुमार, आरक्षक गौरीशंकर राजपूत, रविकुमार कोरी की भूमिका रही।

कॉलेजों के हाल बेहाल, सुविधाओं का अभाव

▶ एनएसयूआई ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन, कहा- सरकार के सारे दावे गलत

नवभारत उमरिया 27 अक्टूबर। जिले के सभी शासकीय महाविद्यालयों में समस्याओं को लेकर राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) ने सोमवार को जिला कलेक्टर को विस्तृत ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा गया कि जिले के कॉलेजों में शिक्षक, भवन, लैब, पुस्तकालय, पेयजल, बस और शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाएं वर्षों से नदारद हैं, जबकि भाजपा सरकार बार-बार गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने का दावा करती रही है, जबकि सरकार के सारे दावे गलत हैं।

ज्ञापन में कहा गया कि जिले के समस्त महाविद्यालयों के छात्रों के परिणाम में सुधार कराया जाए, जो कि विगत वर्षों से बहुत कम है एवं जो एटी-केटी के छात्रों की फीस 1500 रुपए है उसको कम कर 500 रुपए की जाए, जिससे आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने वाले छात्रों की पढ़ाई जारी रह सके। महाविद्यालयों में भरे जाने वाले ऑनलाइन आवेदन की तिथि बहुत कम दिनों की होती है जिसको बढ़ाकर कम से कम 20 दिनों तक निर्धारित की जाए।

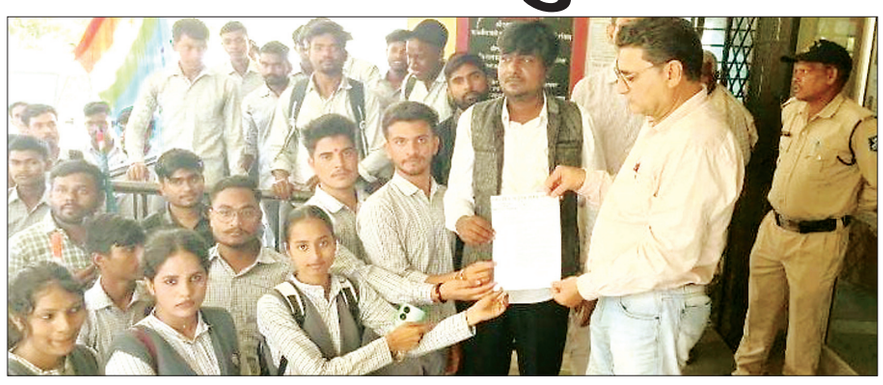

शिक्षकों की कमी से कक्षाएं नियमित नहीं लग रहीं

इसके अलावा ज्ञापन में कहा गया कि शिक्षकों की भारी कमी के कारण अधिकतर कॉलेजों में कक्षाएं नियमित नहीं लग रहीं। भवनविहीन कॉलेज भरेवा व बिलासपुर महाविद्यालय केवल नाममात्र से संचालित हैं। लैब और उपकरणों की कमी के चलते विज्ञान व कंप्यूटर प्रैक्टिकल बंद हैं। बस, पेयजल और शौचालय सुविधा बंद या जर्जर हालत में है। इसके अलावा कॉलेज परिणामों में पारदर्शिता व फीस में राहत की मांग की मांग की गई।

छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं : असलम

एनएसयूआई जिला अध्यक्ष मो. असलम शेर ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपते समय कहा कि जिले की शिक्षा व्यवस्था पूरी तरह अव्यवस्थित हो चुकी है। छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। भाजपा सरकार के 18 साल के शासन में कॉलेजों की हालत बदतर होती गई। न शिक्षक हैं, न भवन, न बस सुविधा। एनएसयूआई ने कई बार चेताया, लेकिन भाजपा सरकार और प्रशासन ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया। यदि आने वाले दिनों में समस्याओं का समाधान नहीं हुआ, तो एनएसयूआई उमरिया की सड़कों पर उतरकर उग्र आंदोलन करेगी।